

181. ॐ शिवाय ॥ शक्तिबोध, जो कि एक अर्न्तकथा का  
 182. अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम  
 कि कौन कौनसा इंसान कि लड़कियाँ, लड़के, लड़कियाँ  
 183. मुझे नहीं मालूम  
 184. अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम  
 185. ॐ शिवाय ॥ शक्तिबोध, जो कि एक अर्न्तकथा का  
 अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम

186. अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम  
 187. अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम  
 अर्न्तकथाएं •  
 188. अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम  
 अन्तःकरण का आयतन, मुझे नहीं मालूम

## क्रम

आमुख [vii]

### ● कविताएं

एक अर्न्तकथा	3
अन्तःकरण का आयतन	11
मुझे नहीं मालूम	24
चाँद का मुँह टेढ़ा है	29
कहने दो उन्हें जो यह कहते हैं	48
ब्रह्मराक्षस	56
अँधेरे में	64
चुप रहो मुझे सब कहने दो	111
लकड़ी का रावण	127
इस बौड़े ऊँचे टीले पर	133
चंबल की घाटी	154

### ● अंतर्कथाएं

नरेश मेहता / मुक्तिबोध के साथ	183
अशोक वाजपेयी / तुम भी, मैं भी आदमी	210
चन्द्रकांत देवताले / कहां जाऊं, दिल्ली या उज्जैन	222
जय प्रकाश / नहीं चाहिए मुझे हवेली	228

शांता मुक्तिबोध / वे काफी तकलीफ से रचते थे	249
शरच्चन्द्र माधव मुक्तिबोध / मेरे बड़े भाई साहब	253
विनोद कुमार शुक्ल / एक दृश्य की तरह मुक्तिबोध जी को याद करता हूँ	277
राजेन्द्र मिश्र / महल में मुक्तिबोध	289
रमेश याज्ञिक / मुक्तिबोध क्या पढ़ते थे ?	291

● पत्र

वीरेन्द्र कुमार जैन के नाम मुक्तिबोध का पत्र	299
मुक्तिबोध के नाम अशोक वाजपेयी के पत्र	303

● परिशिष्ट

व्याख्याता पद के लिए अंग्रेजी में भेजा गया आवेदन	319
हिंदी के व्याख्याता पद के लिए मुक्तिबोध द्वारा अंग्रेजी में दिये गये आवेदन का अनुवाद	321